

बुद्धदेव भट्टाचार्य और साम्यवाद

प्रलम्ब के लिये:

[मुख्यमंत्री](#), साम्यवाद, [वर्षिष आर्थिक क्षेत्र \(SEZ\)](#), [IT और IT-सकषम सेवाएँ](#), [पद्म भूषण पुरसकार](#), [भारतीय कम्युनसिट पार्टी \(CPI\)](#), [मेरठ षडयंत्र केस \(1929-1933\)](#), [बंगाल अकाल](#), [रॉयल इंडियन नेवी वदिरुह 1946](#), [तेभागा आंदोलन](#), [तेलंगाना आंदोलन](#), [गैरकानुनी गतविधियाँ \(रोकथाम\) अधनियम, 1967](#)

मेन्स के लिये:

भारतीय राजनीतिक परदृश्य पर कम्युनसिट वचिरधारा का प्रभाव ।

स्रोत: द हद्वि

चर्चा में क्यों?

पश्चिम बंगाल के पूर्व [मुख्यमंत्री](#) और वरषिष [कम्युनसिट](#) नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य (1944-2024) का हाल ही में कोलकाता में नधिन हो गया ।

- वह वर्ष 2000 से 2011 तक पश्चिम बंगाल के [मुख्यमंत्री](#) रहे और साम्यवाद से जुड़े होने के बावजूद उनके शासन में [औद्योगीकरण](#) को बढ़ावा दिया गया ।

बुद्धदेव भट्टाचार्य कौन थे?

- परचिय:**
 - वे ज्योतबिसु के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने । उन्होंने वर्ष 2001 और 2006 में लगातार दो कार्यकालों में [भारतीय कम्युनसिट पार्टी \(मार्क्सवादी\)](#) को सत्ता में पहुँचाया ।
 - वह वर्ष 2011 तक [मुख्यमंत्री](#) रहे जब तृणमूल कॉन्ग्रेस ने वाम मोर्चे के 34 वर्ष के शासन को समाप्त कर दिया ।
- शासन और नीतियाँ:**
 - उनके कार्यकाल के दौरान, वाम मोर्चा सरकार ने [साम्यवाद का पालन करने के बावजूद](#) व्यापार के प्रतअपेक्षाकृत खुली नीतअपनाई ।
 - [सगूर में टाटा नैनो प्लांट लगाने](#) और नंदीग्राम में [वर्षिष आर्थिक क्षेत्र](#) बनाने की योजना के पीछे भी उनका ही हाथ था । हालाँकि भूमि अधगिरहण के मुद्दे पर स्थानीय राजनीतिक दलों के वरिध के बाद इस योजना को छोड़ दिया गया ।
 - उनके शासनकाल के दौरान पश्चिम बंगाल में [IT और IT-सकषम सेवाओं](#) के क्षेत्र में नवश हुआ ।
- पुरसकार:** वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने उन्हें [पद्म भूषण पुरसकार](#) देने की घोषणा की लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया क्योंकि [मार्क्सवादी आमतौर पर सार्वजनिक सेवा के लिये पुरसकार स्वीकार करने में अनच्छुक होते हैं](#) ।
- मृत्यु:** वे क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टवि पल्मोनरी डज़िज़ से पीड़ित थे और उनका शरीर चकित्सा अनुसंधान के लिये NRS मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल, कोलकाता को दान कर दिया गया था ।

साम्यवाद क्या है?

- परचिय:**
 - साम्यवाद [कार्ल मार्क्स](#) से जुड़ी एक [राजनीतिक](#) और आर्थिक वचिरधारा है । यह एक वर्गहीन समाज की वकालत करता है जहाँ सभी संपत्त और धन का [सामूहिक स्वामित्व](#) हो ।
 - मार्क्स ने वर्ष 1848 में अपनी रचना [“कम्युनसिट घोषणा-पत्र”](#) में इन वचिरों को लोकप्रय बनाया ।
 - मार्क्स ने तर्क दिया कि पूंजीवाद असमानता और शोषण को जन्म देता है, जससे [श्रमक वर्ग \(सर्वहारा वर्ग\)](#) की कीमत पर कुछ धनी लोगों को लाभ होता है ।
- उद्देश्य:**

- मार्क्स ने एक ऐसे संसार की कल्पना की थी जहाँ श्रम स्वैच्छिक हो और धन सभी नागरिकों के बीच समान रूप से साझा किया जाए।
- मार्क्स ने प्रस्ताव दिया कि अर्थव्यवस्था पर सरकारी नियंत्रण वर्ग भेद को समाप्त कर देगा।
- साम्यवाद के प्रमुख उदाहरण **सोवियत संघ और चीन** थे। वर्ष 1991 में सोवियत संघ का पतन हो गया लेकिन चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था में कुछ **पूंजीवाद** को शामिल करने के लिये बड़े पैमाने पर संशोधन किया है।
- **साम्यवादी आर्थिक प्रणाली:**
 - साम्यवाद का लक्ष्य एक ऐसी प्रणाली स्थापित करना था, जिसमें **वर्ग भेद समाप्त हो जाए** और उत्पादन के साधनों पर जनता का स्वामित्व हो।
 - इसकी विशेषता एक **नियंत्रित अर्थव्यवस्था** है, जहाँ संपत्तिका स्वामित्व राज्य के पास होता है और वस्तुओं का उत्पादन स्तर एवं कीमतें राज्य द्वारा निर्धारित की जाती हैं।
 - **व्यक्ति श्रेय या अचल संपत्तिका जैसी नज्दी संपत्तिका** मालिक नहीं हो सकते।
 - इसका मुख्य लक्ष्य **पूंजीवाद (नज्दी स्वामित्व द्वारा शासित एक आर्थिक प्रणाली) को खत्म करना है।**
 - मार्क्स पूंजीवाद से घृणा करते थे इसमें **क्योंकि सर्वहारा वर्ग का शोषण किया जाता था और राजनीति में उसका अनुचित प्रतिनिधित्व किया जाता था।**

भारत में साम्यवाद का इतिहास और प्रभाव क्या है?

- **गठन: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI)** का गठन 17 अक्टूबर 1920 को **ताशकंद में एम.एन. रॉय** जैसे भारतीय क्रांतिकारियों के योगदान से हुआ था।
 - **दिसंबर 1925** में, कानपुर में एक खुले सम्मेलन में CPI की स्थापना हुई जिसका मुख्यालय बॉम्बे में था।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
 - साम्यवादी वचिरों ने कॉंग्रेस को प्रभावित किया, जिससे वह ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक मजबूत रूख की ओर बढ़ गई, जो हल्के प्रतिरोध से अलग था।
 - अंगरेजों ने गरिफ्तारियों करके और षड्यंत्र के मामले चलाकर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिनमें सबसे उल्लेखनीय **मेरठ षड्यंत्र मामला (वर्ष 1929-1933)** था।
 - वर्ष 1943 के **बंगाल अकाल** के दौरान कम्युनिस्टों ने राहत प्रयासों का आयोजन किया।
 - **जन संघर्ष:** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के वर्षों में मजदूर वर्ग के संघर्षों और किसान लामबंदी में उछाल देखा गया, जिसमें वर्ष 1946 में रॉयल इंडियन नेवी का विद्रोह भी शामिल था।
 - **तेभागा आंदोलन:** बंगाल में बेहतर **काश्तकारी या शेरकरांपगि अधिकारों** की मांग को लेकर एक महत्त्वपूर्ण किसान आंदोलन, जिसमें हिंदू-मुसलमि एकता का प्रदर्शन किया गया।
 - **तेलगाना आंदोलन (वर्ष 1946-1951):** उन्होंने सामंती शोषण और नरिंकुश शासन के खिलाफ युद्ध लड़ा, जिसके परिणामस्वरूप **भूमि पुनर्वितरण** हुआ।
- **स्वतंत्रता के बाद (वर्ष 1947):**
 - **पहली लोकसभा (वर्ष 1952-57)** में वपिकष में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) थी।
 - वर्ष 1957 में, **CPI ने केरल में राज्य चुनाव** जीता। केरल स्वतंत्र भारत का पहला राज्य था जिसने लोकतांत्रिक तरीके से कम्युनिस्ट सरकार का चुनाव किया।
 - **साम्यवाद आंदोलन में वभिजन:** CPI के कुछ सदस्यों का मानना था कि कम्युनिस्टों को **कॉंग्रेस पार्टी के भीतर वामपंथी समूह के साथ सहयोग करना चाहिये** जो साम्राज्यवाद और सामंतवाद दोनों का वरीध करता था।
 - इससे वर्ष 1964 में **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में वभिजति** हो गई।
 - कॉंग्रेस के साथ सहयोग करने के मार्ग का वरीध करने वाले गुट ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), या CPI (M) का गठन किया, जबकि दूसरे गुट ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) नाम बरकरार रखा।
 - वर्ष 1969 में माओत्से तुंग की तरह **सशस्त्र संघर्ष** की आवश्यकता पर वशिवास करते हुए, कम्युनिस्टों के एक अन्य समूह **नेभारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेननिवादी) या CPI (ML)** का गठन किया।

माओवाद क्या है?

- **परचिय:**
 - **माओवाद चीन के माओ त्से तुंग** द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है।
 - यह **सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और सामरिक गठबंधनों के संयोजन** के माध्यम से राज्य की सत्ता पर कब्जा करने का एक सिद्धांत है।
 - माओवादी अपने विद्रोह सिद्धांत के अन्य घटकों के रूप में राज्य संस्थाओं के खिलाफ **अधपिरचार और दुषप्रचार** का भी प्रयोग करते हैं।
 - माओ ने इस प्रक्रिया को **'दीर्घकालिक जनयुद्ध'** कहा, जहाँ सत्ता पर कब्जा करने के लिये **'सैन्य लाइन'** पर जोर दिया जाता है।
- **केंद्रीय वषिय:**
 - माओवादी वचिराधारा का केंद्रीय वषिय **राज्य की सत्ता पर कब्जा करने के साधन के रूप में हसिा और सशस्त्र विद्रोह का प्रयोग है।**
 - माओवादी विद्रोह सिद्धांत के अनुसार **'हथियार रखना अपरहार्य है'**।
 - माओवादी वचिराधारा हसिा का महमिमंडन करती है और **पीपुलस लबिरेशन गुरलिला आरमी (PLGA)** के कैंडरों को उनके प्रभुत्व में आबादी के बीच आतंक उपन्न करने के लिये **हसिा के सबसे बुरे रूपों में वशिष रूप से प्रशकषित** किया जाता है।
- **भारत में माओवादियों का प्रभाव:**

- भारत में सबसे बड़ा और सबसे हसिक माओवादी संगठन **भारतीय कम्युनसिस्ट पार्टी (Maoist / माओवादी)** है।
- **भारतीय कम्युनसिस्ट पार्टी (माओवादी)** का गठन वर्ष 2004 में **भारतीय कम्युनसिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेननिवादी) पीपुल्स वार (पीपुल्स वार ग्रुप)** और **माओवादी कम्युनसिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (MCCI)** के वलिय के माध्यम से हुआ था।
- **CPI (माओवादी)** और इसके सभी **फ्रंट संगठन संरचनाओं** को **गैरकानूनी गतविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967** के तहत प्रतर्बिधति आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल कया गया है।
 - **फ्रंट संगठन मूल माओवादी पार्टी की शाखाएँ** हैं, जो कानूनी दायत्व से बचने के लयि एक **पृथक अस्तत्व का दावा** करती हैं।

मार्क्सवाद और माओवाद के बीच क्या अंतर है?

- **क्रांति का फोकस:** दोनों ही **सर्वहारा क्रांति**, जो समाज को बदल देगी, के सदिधांत पर केंद्रति है।
 - **मार्क्सवाद शहरी श्रमकों** पर ध्यान केंद्रति करता है जबकि **माओवाद कसिन या खेती करने वाली आबादी** पर ध्यान केंद्रति करता है।
- **औद्योगीकरण पर दृष्टकोगण:** मार्क्सवाद एक **आर्थक रूप से सुदृढ़ राज्य** में वशवास करता है जो औद्योगक है।
 - माओवाद का एक **व्यापक आर्थक दृष्टकोगण** है जो कृषा को भी आवश्यक महत्त्व देता है।
- **सामाजक परवर्तन की प्रेरक शक्ति:** मार्क्सवाद के अनुसार सामाजक परवर्तन अर्थव्यवस्था द्वारा संचालति होता है।
 - हालाँकि माओवाद **'मानव स्वभाव के लचीलापन'** पर ज़ोर देता है। माओवाद इस बारे में उल्लेख करता है कि कैसे केवल **इच्छाशक्ति** का प्रयोग करके मानव स्वभाव को बदला जा सकता है।
- **समाज पर अर्थव्यवस्था का प्रभाव:** मार्क्सवाद का मानना था कि **समाज में होने वाली हर चीज़ अर्थव्यवस्था से जुडी** होती है।
 - माओवाद का मानना था कि समाज में होने वाली हर चीज़ **मानव इच्छा** का परणाम है।

नषिकर्ष

भारत में साम्यवाद का एक महत्त्वपूर्ण और जटलि इतहास रहा है, जसिने राजनीतक एवं सामाजक दोनों परदृश्यों को प्रभावति कया है। बुद्धदेव भट्टाचार्य जैसे नेताओं ने राज्य की नीतियों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमक नषाई, वशषकर पश्चमि बंगाल में जहाँ साम्यवाद दशकों तक हावी रहा। जबकि वचिरधारा ने सामाजक न्याय और श्रमकों के अधिकारों को बढ़ावा दया, इसके कार्यानवयन को अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ा, वशषकर समानता एवं सांप्रदायक सद्भाव के सदिधांतों के साथ औद्योगक वकिस को संतुलति करने में।

दृष्टमैन्स प्रश्न:

प्रश्न. स्वतंत्रता से पहले और बाद के भारत में कम्युनसिस्ट आंदोलन की भूमक पर चर्चा कीजयि। उन्होंने कमज़ोर वर्गों की चताओं को आवाज़ देकर भारतीय लोकतंत्र को मज़बूत करने में कैसे सहायता की?

UPSC सवलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[?/?/?/?/?/?/?/?/?/?]:

प्रश्न. नमिनलखति घटनाओं पर वचिर कीजयि: (2018)

1. भारत के कसिी राज्य में सर्वप्रथम लोकतांत्रक रूप से चुनी गई साम्यवादी दल की सरकार।
2. भारत का उस समय का सबसे बड़ा बैंक 'इम्पीरयिल बैंक ऑफ इंडया' जसिका नाम बदलकर 'भारतीय स्टेट बैंक' रखा गया।
3. एयर इंडया का राष्ट्रीयकरण कया गया और यह राष्ट्रीय वाहक बन गया।
4. गोवा स्वतंत्र भारत का अंग बन गया।

नमिनलखति में से कौन-सा उपर्युक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम है?

- (a) 4 - 1 - 2 - 3
- (b) 3 - 2 - 1 - 4
- (c) 4 - 2 - 1 - 3
- (d) 3 - 1 - 2 - 4

उत्तर: (b)

प्रश्न. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में, नमिनलखति युग्मों पर वचिर कीजयि: (2019)

व्यक्ति धारति पद

1. सर तेज बहादुर सपू : अध्यक्ष, अखलि भारतीय उदार संघ
2. के.सी. नयोगी : सदस्य, संवधान सभा
3. पी.सी. जोशी : महासचवि, भारतीय साम्यवादी दल

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलति है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. 1920 के दशक से राष्ट्रीय आंदोलन ने कई वैचारिक धाराओं को ग्रहण किया और अपना सामाजिक आधार बढ़ाया। वविचना कीजिये। (2020)

प्रश्न. पछिली शताब्दी के तीसरे दशक से भारतीय स्वतंत्रता की स्वप्न दृष्टिके साथ सम्बद्ध हो गए नए उद्देश्यों के महत्त्व को उजागर कीजिये। (2017)

प्रश्न. विश्व में घटति कौन-सी मुख्य राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों ने भारत में उपनिवेश-वरोधी (एँटी-कॉलोनियल) संघर्ष को प्रेरित किया? (2014)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/buddhadeb-bhattacharjee-and-communism>

